Uttarakhand Board of Secondary Education
Class 10th Previous Question Paper 2015

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

2015

हिन्दी

कक्षा – 10

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

निर्देशः (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्ड़ों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः **2×5 = 10**

लेखक का काम काफी हद तक मधुमक्खियों के काम से मिलता–जुलता है। मधुमक्खियॉ मकरन्द संग्रह करने के लिये कोसो दूर तक चलकर चक्कर लगाती है। वे सुन्दर और अच्छे फूलों का रसपान करती है। तभी तो उनके मधु में संसार का सर्वश्रेष्ठ माधुर्य रहता है। यदि आप अच्छे लेखक बनना चाहते है तो आपकों भी यही वृत्ति अपनानी होगी। अच्दे ग्रन्थों का खूब अध्ययन करना होगा और उनके विचारों का मनन् करना होगा। फिर आपकी भावनाओं एवम् रचनाओं में मधु का–सा माधुर्य आने लगंगा। कोई अच्छी उक्ति, कोई अच्छा विचार भले ही दूसरों से ग्रहण किया गया हो, लेकिन उस पर यथेष्ठ मनन् कर आप उसे अपनी रचना में स्थान देंगे, तों वह आपका ही हो जायेगा। मनन्पूर्वक लिखी हुई वस्तु के सम्बन्ध में किसी के यह कहने का साहस नहीं होगा कि वह अमुक स्थान से ली गई है या उच्छिष्ट है। जो बात आप अच्छी तरह आत्मसात् कर लेंगे, वह मौलिक हो जाएगी।

(क) मधुमक्खी एवं अच्छे लेखक में क्या समानताएं होती है ?
(ख) अच्छा लेखक बनने के लिये क्या करना चाहिए ?
(ग) लेखक अपनी रचनाओं में माधुर्य कैसे ला सकता है ?
(घ) कोई भी बात कैसे मौलिक बन जाती है ?
(ड़) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2– दिए गए संकेत – बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिएः **10**

(क)' भ्रष्टाचार : आज की गम्भीर समस्या '

(i) अर्थ **(ii)** भारत में भ्रष्टाचार की स्थिति
(iii) भ्रष्टाचार के कारण **(iv)** समाधान

(ख) 'विज्ञान : वरदान या अभिशाप'

(i) विज्ञान का अर्थ व महत्व **(ii)** विज्ञान का वरदान रूप
(iii) विज्ञान का अभिशाप रूप **(iv)** निष्कर्ष

3– अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को छात्रों हेतु खेलकूद की सामग्री का प्रबन्ध करने हेतु पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क,ख,ग है) **5**

अथवा

अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाईयों का वर्णन करते हुये किसी दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए (आपका काल्पनिक नाम क,ख,ग है)

4– निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया पद छॉटकर उसका भेद लिखिए। **1×2 = 2**

(क) आज बारिश हुई।
(ख) पुलिस ने चोर को पकड़ा।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए– **1×2 = 2**

(ग) वह प्रातः उठकर स्नान करता है। (क्रिया विशेषण छॉटकर लिखो)
(घ) मुझे आने में देर हो गई; क्योकि बस जल्दी नहीं मिली। (समुच्चयबोधक शब्द छॉटकर लिखे)

5– निम्नलिखित वाक्यों में आश्रित उपवाक्य अलग करके बताइए कि वह किस प्रकार का है? **1×2 = 2**

(क) सूरज निकलने पर फूल खिलने लगे।
(ख) घंटी बजी और बच्चे घर चले गए।

वाक्य परिवर्तन किजिए– **1×2 = 2**

(ग) मैं नहीं चलता। (भाववाच्य में)

(घ) पक्षी आकाश में उड़ते हैं। (कर्मवाच्य में)

6– (क)निम्नलिखित में से 'आदि' शब्द का प्रयोग किसके लिये होता है– **1**

(i) परमात्मा (ii) पर्वत (iii) आरम्भ (iv) कमल

(ख) 'घर' शब्द का कौन –सा अर्थ सही नहीं है– **1**

(i) अयन (ii) स्थान (iii) सागर (iv) आधा वर्ष

7– निम्नलिखित काव्याशों को पढ़कर किसी एक कव्यांश के नीचे दिये गए किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **1×2 = 2**

(i) हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद–नंदन उर यह दृढ करि पकरी।
जागत सोबत स्वप्न–दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत हैं ऐसौ, ज्यों करूई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
ये तौ 'सूर' तिनही लैं सौंपौ, जिनके मन चकरी।।
(क) गोपियॅा श्री कृष्ण से किस प्रकार एकनिष्ठ प्रेम करती है?
(ख) उद्धव जी की योग की बातों को सुनकर गोपियों ने प्रतिक्रिया किस प्रकार व्यक्त की?
(ग) काव्यांश का काव्य–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(i) मॉ ने कहा पानी में झांककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियॉ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बन्धन हैं स्त्री जीवन के
मॉ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।
(क) कवि ने 'आग' और 'पानी' का क्या प्रतीक स्पष्ट किया है?
(ख) वस्त्र और आभूषण नारी–जीवन में क्या हैं?
(गा) माँ ने अपनी लड़की को क्या समझाया?

8– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **1×2 = 2**

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिये कौन–कौन से तर्क दिये?
(ख) 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है?
(ग) कवि फसल को हाथों के स्पर्श की 'गरिमा' और 'महिमा' कहकर क्या व्यक्त करना चाहता है?

9– (क) 'आत्मकथा' कविता में स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है? **2**

(ख) संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है? **2**

10– निम्नलिखित गंद्याशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **2×2 = 4**

(i) बार–बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश के खातिर घर–गृहस्थी–जिन्दगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हॅसती है और अपने लिए बिकने के मौंके ढूढंती है। दुखी हो गए। प्रन्दह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे। कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया कि कस्बे की ह्रदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की ऑखों पर चश्मा नहीं होगा।... क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।... और कैप्टन मर गया। सोचा आज वहॉ रूकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाऍंगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाऍंगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रूकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।लेकिन आदत से मजबूर ऑखे चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ उठ गई, कुछ ऐसा देख कि चीखे, रोको! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे।

(क) हालदार साहब क्यों दुःखी हो गए?
(ख) हालदार साहब के चौराहे पर न रूकने तथा मूर्ति की ओर देखने के निर्णय का क्या कारण रहा होगा?

(ii) जो लोग यह कहते हैं कि पुराने जमाने में यहॉ स्त्रियॉ न पढ़ती थी अथवा उन्हें पढ़ने की मुमानियत थी वे या तो इतिहास से अभिज्ञता नहीं रखते या जान–बूझकर लोगों को धोखा देते हैं। समाज की दृष्टिमें ऐसे लोग दंडनीय हैं। क्योंकि स्त्रियों को निरक्षर रखने का उपदेश देना समाज का अपकार और अपराध करना है– समाज की उन्नति में बाधा ड़ालना है।

'शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है। उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना–लिखनाभी उसी के अन्तर्गत है। इस देश की वर्तमान शिक्षा–प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे उस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहियें, खुद पढ़ने–लिखने को दोष न देना चाहियए।

(क) लेखक ने समाज की उन्नति में किसे बाधक माना है?
(ख) देश शिक्षा–प्रणाली के लिए लेखक के क्या सुझाव है?

11– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **2×2 = 4**

(क) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के आचरण का कारण क्यों थी?
(ख) लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' क्यों कहा हैं?
(ग) बिस्मिल खॉ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

12– **(क)** 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा? **2**

(ख) लेखककी दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' को सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?

13– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **2×3 = 6**

(क) जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–क्या यत्न किए?
(ख) लोंग स्टॉक में घूमते हुये चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक–सी क्यों दिखाई दी?
(ग) लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?
(घ) कठोर ह्रदय समझी जाने वाली ढुलारी टुन्नु की मृत्यु पर क्यों विचलित हो उठी?

खण्ड – 'ब'

14– अधोलिखित गद्यांश पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– **2×3 = 6**

(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्ही 3 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

संत्सङ्गेन मानवाजीवने परिवर्तनम् आगच्छति। सतां एङ्गेन गुणनां वर्धन, दुर्जनसङ्गेन दोषाणां वर्धनं च भवति। अतएवं उक्तम् ''संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति''।यथा–नारदस्य सङ्गैन रत्नाकरनामकः लुण्ठकः महान् आदिकविः वाल्मिकीः सज्जातः। रामकृष्णपरमहंस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीयसंस्कृते। डिण्डिमघोषं सम्पूर्णे विश्वे कृतवान्।

(क) सत्सङ्गेन किं किं भवति?
(ख) संसर्गजा के भवन्ति?
(ग) नारदस्य सङ्गेन रत्नाकरः कः सञ्जातः?
(घ) विवेकानन्दः किं कृतवान्?

15– अधौलिखित पद्यांश पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरतः **2×2 = 4**

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्ही 2 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं
भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पङ्कजालिः।
इत्थं विचिस्तयति कोशगते द्विरेफे
हा हन्त। हन्त। नलिनीं गज उज्जहार।।

(क) द्विरेफः किं विचिन्तयति?
(ख) कीद्धशः द्विरेफ विचिन्तयति?

(ग) नलिनी कम् उज्जहारः?

16– पठित पाठाधरितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– **2×3 = 6**

(पठित पाठ के आधार पर किन्ही 3 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।**)**

(क) चाणक्यः कुत्र निक्सति स्म ?

(ख) कौत्सः रघुं दुष्टवा कि विचारयति ?

(ग) कष्टे सति कि करणीयम् ?

(घ) समे धर्माः कीद्धशाः ?

17– अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थाननि पूरयत। **1× 4= 4**

(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्ही 4 वाक्यों में रिक्त स्थान की पूति किजिए।**)**

शब्द सूची – हरिद्धार, द्धादशे वर्षे, आरार्तिकस्य, दृश्यम्, मोक्षप्रदं, क्षमां, , निर्मल

(क) हरिद्वारं.....नगरम् अस्ति।

(ख) ते चाणक्यं..... प्रार्थितवन्त।

(ग) प्रत्येकस्मिन्..... विशालं कुम्भस्नानपर्व भवति।

(घ) येषां ह्रदयं..... भवति।

(ड़) पावर्न हि..... नगरम्।

(च) गङ्गदिव्याः..... अतीव मनोहरं भवति।

18– अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशः केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्त्रत्– **2× 3= 6**

(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर दीजिए।**)**

(क) सन्धि कुरूत।। (सन्धि किजिए)–

पौं+अकः , रमा+ईशः

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरूत। (सन्धि विच्छेद किजिए।)

देवतात्मा , नयनम्

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत। (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।)

उपवनम् , पंचवटी

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथक कृत्वा लिखत।

(निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए।**)**

अभिवादनम् , पराजयः

(ड़) कोष्ठके प्रदतेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत।

(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूति किजिए।**)**

(i) सुवर्णस्य में मुख्यं..... तदेकम्। (सुखं/दुःखम्)

(ii) नृपः एकवारं..... कम्बलानि दन्तवान्। (चाणक्याय/चन्द्रगुप्ताय)

19 – निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माण कुरूत– **2× 3= 6**

(निम्नलिखित शब्दों में से किन्दी 4 का वाक्यों में प्रयोग किजिए।**)**

(क) प्रतिदिंन **(ख)** यदा **(ग)** प्रवहति **(घ)** सह **(ड़)** नगरम् **(च)** गच्छति

अथवा **2× 2= 4**

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरूत–

(निम्न वाक्यों में से किन्ही 2 का संस्कृत में अनुवाद किजिए)

(क) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(ख) भारत हमारा देश हैं।

(ग) तुम आज विद्यालय जाओ।